प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

21-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रमाण-पत्र वितरण के साथ सम्पन्न

पंतनगर। 27 फरवरी 2020। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग द्वारा 'किसानों की आय बढ़ाने के लिए बेहतर तकनीकों और मूल्यवर्धन के माध्यम से बागवानी फसलों का पूर्व और कटाई के बोद का रोग प्रबंधन' विषय पर 40 वें 21-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 05 से 25 फरवरी तक आयोजित किया गया, जिसका समापन समारोह 25 फरवरी को डा. आर. एस. सिंह कान्फ्रेन्स हॉल में हुआ। यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित था।

कार्यक्रम के अध्यक्ष, अधिष्ठाता कृषि, डा. जे. कुमार ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया और अपने उद्बोधन में कहा कि औद्यानिक फसलों में लगने वाले रोग न सिर्फ उत्पादन को वरन् उनकी गुणवत्ता को भी प्रभावित करते हैं। अतः आवश्यकता है वर्तमान में नवीनतम उपकरणों, तकनीकों, परम्परागत एवं आधुनिक शोध को एकीकृत करने की, जिससे फसलों की उत्पादन क्षमता के साथ-साथ उत्पादन की गुणवत्ता भी बढ़ाई जा सके। डा. कुमार ने कहा कि वैज्ञानिकों को गुणवत्तायुक्त पैदावार के लिए नई तकनीकों एवं पद्धतियों को विकसित करने की आवश्यकता है।

विभागाध्यक्ष एवं निदेशक, उच्च संकाय प्रशिक्षण केन्द्र, डा. प्रदीप कुमार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की आख्या प्रस्तुत की तथा प्रशिक्षण की गतिविधियों से उपस्थितगणों को अवगत कराया। एनबीपीजीआर के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक डा. डी.बी. पारख, डा. खुरशीद अहमद डार एवं डा. सुरमिना ने भी अपने विचार व्यक्त किये और कार्यक्रम को महत्वपूर्ण एवं उपयोगी बताया। इस कार्यक्रम में देश के 12 राज्यों से 17 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन सह-समन्वयक डा. शिल्पी रावत ने किया। कार्यक्रम समन्वयक डा. सत्य कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर पादप रोग विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान करते अधिष्ठाता कृषि एवं अन्य वैज्ञानिक।